<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2049

10 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

'सेल' के तहत् संचालित इस्पात संयंत्र

2049. श्री प्रसन्न आचार्यः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) के अंतर्गत कितने इस्पात संयंत्र क्रियाशील हैं और विगत तीन वर्षों के दौरान उनके उत्पादन और बिक्री की स्थिति क्या है;

(ख) क्या किसी भी संयंत्र के विनिवेश/बिक्री के संबंध में कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सेल ने अपने संयंत्रों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और बाजार व्यवहार्यता में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए हैं; और

(घ) क्या राउरकेला इस्पात संयंत्र सहित इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण/विस्तार हेतु कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अंतर्गत पाँच एकीकृत इस्पात संयंत्र अर्थात् भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी), राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी), बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) और इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी) और तीन विशेष इस्पात संयंत्र अर्थात् अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी), सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी) और विश्वेश्वरैया लोहा एवं इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) शामिल हैं। गत तीन वर्षों के लिए इन संयंत्रों का बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन निम्नानुसार है:

इकाई: मिलियन टन में

बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**
भिलाई इस्पात संयंत्र	4.006	3.685	3.673
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1.932	1.952	2.125
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2.742	2.947	3.335
बोकारो इस्पात संयंत्र	3.372	3.501	3.626
इस्को इस्पात संयंत्र	1.338	1.687	1.907
विशेष इस्पात संयंत्र	0.476	0.303	0.402
सेल	13.867	14.074	15.069

गत तीन वर्षों के लिए इन संयंत्रों से बिक्री योग्य इस्पात की बिक्री की मात्रा निम्नानुसार है:

इकाई: मिलियन टन में

बिक्री की मात्रा : बिक्री योग्य इस्पात	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**
भिलाई इस्पात संयंत्र	3.597	3.639	3.487
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1.870	1.882	1.993
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2.661	3.022	3.014
बोकारो इस्पात संयंत्र	3.310	3.546	3.496
इस्को इस्पात संयंत्र	1.223	1.695	1.767
विशेष इस्पात संयंत्र	0.450	0.297	0.358
सेल	13.111	14.081	14.115

(ख): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की तीन इकाइयों अर्थात् विश्वेश्वरैया लोहा एवं इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) भद्रावती, कर्नाटक, सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी), तमिलनाडु और अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी) दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल के विनिवेश के लिए "सैद्धांतिक रूप" से अनुमोदन प्राप्त हो गया है। ये तीनों इकाइयाँ निरंतर घाटे पर चल रही हैं।

(ग) और (घ): सेल भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने 5 एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र की कच्चे इस्पात की क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य कर रहा है।

अन्य सुविधाओं के अलावा, उच्च क्षमता वाली ब्लास्ट फर्नेस (>4000 m^3 वाल्यूम) आधुनिक स्टील मेल्टिंग शॉप्स और नई आधुनिक रोलिंग मिलें स्थापित की गई हैं, जिनमें मूल्य संवर्धित उत्पादों का निर्माण करने की क्षमता है।

नई मिलों के उत्पादों की बाजार व्यवहार्यता सुधारने के लिए सेल द्वारा विपणन के क्षेत्र में की गई पहलों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- समर्पित क्रॉस फंक्शनल टीमें बनाना।
- आईएसपी में यूनिवर्सल स्ट्रक्चरल मिल (यूएसएम) से और डीएसपी में मीडियम स्ट्रक्चरल मिल (एमएसएम) के पैरेलल फ्लैंज स्ट्रक्चरल को सेल "एनईएक्स" ब्रैंड नाम दिया गया।
- सुरक्षित निर्माण के लिए सेल "एसईक्यूआर" नाम से टीएमटी बार्स का एक नया ब्रैंड शुरू किया गया।
- स्ट्रक्चरल सेक्शनों के अनुप्रयोगों की व्यापक रेंज तथा सेल स्ट्रक्चरलों और पैरेलल फ्लैंज बीमों का प्रयोग करके डिजाइन और निर्माण के फायदों को दर्शाने के लिए "न्यू चैलेंजस इन स्टील डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन" विषय पर विभिन्न सेमिनार किए गए।

***